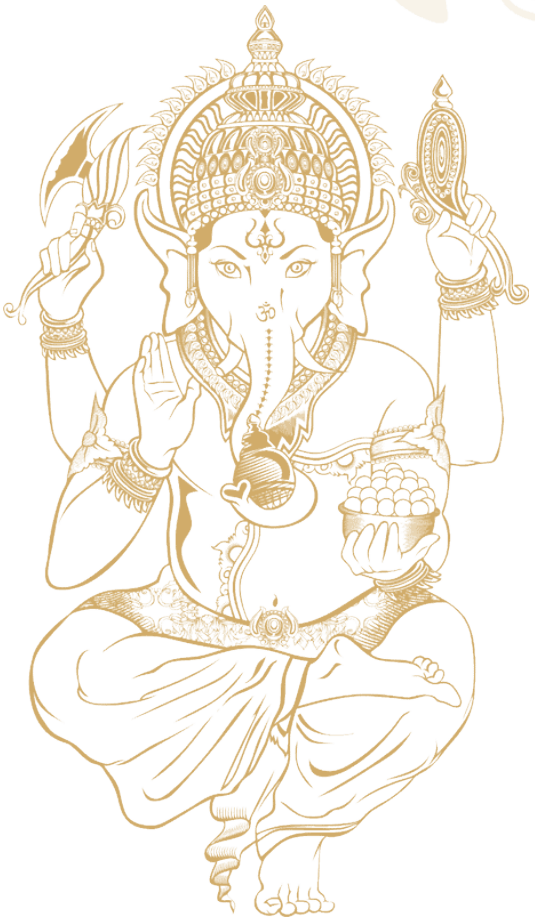

Sanni Vindhy

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121114905

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/04/2005	जन्म तिथि	07/01/2001
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 11:36:21	जन्म समय	13:20:00 घंटे
घटी 13:13:31	जन्म समय(घटी)	15:05:05 घटी
India	देश	India
Ankaleswar	स्थान	Palamau
21:38:00 उत्तर	अक्षांश	23:53:00 उत्तर
73:02:00 पूर्व	रेखांश	84:17:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:52	स्थानिक संस्कार	00:07:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:56	सूर्योदय	06:37:18
18:57:17	सूर्यास्त	17:21:12
23:55:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:00

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 4वर्ष 6मा 19दि	22:15:35	मिथु	लग्न	मेष	25:21:20	चन्द्र 3वर्ष 10मा 23दि
शनि	01:26:50	मेष	सूर्य	धनु	23:12:51	राहु
03/11/2025	16:37:41	मिथु	चंद्र	वृष	18:08:09	02/12/2011
02/11/2044	24:33:08	मक	मंगल	तुला	14:45:11	01/12/2029
शनि 05/11/2028	08:11:11	मीन	बुध	मक	00:46:11	राहु 14/08/2014
बुध 17/07/2031	18:34:07	कन्या व	गुरु व	वृष	07:52:34	गुरु 06/01/2017
केतु 24/08/2032	05:19:23	मेष	शुक्र	कुंभ	10:00:14	शनि 13/11/2019
शुक्र 25/10/2035	26:59:45	मिथु	शनि व	वृष	00:29:04	बुध 02/06/2022
सूर्य 06/10/2036	28:49:15	मीन व	राहु	मिथु	21:39:12	केतु 20/06/2023
चन्द्र 07/05/2038	28:49:15	कन्या व	केतु	धनु	21:39:12	शुक्र 20/06/2026
मंगल 16/06/2039	15:24:58	कुंभ	हर्ष	मक	25:05:58	सूर्य 15/05/2027
राहु 22/04/2042	23:20:49	मक	नेप	मक	11:41:13	चन्द्र 13/11/2028
गुरु 02/11/2044	00:29:19	धनु व	प्लूटो	वृश्चि	20:07:13	मंगल 01/12/2029

लग्न-चलित

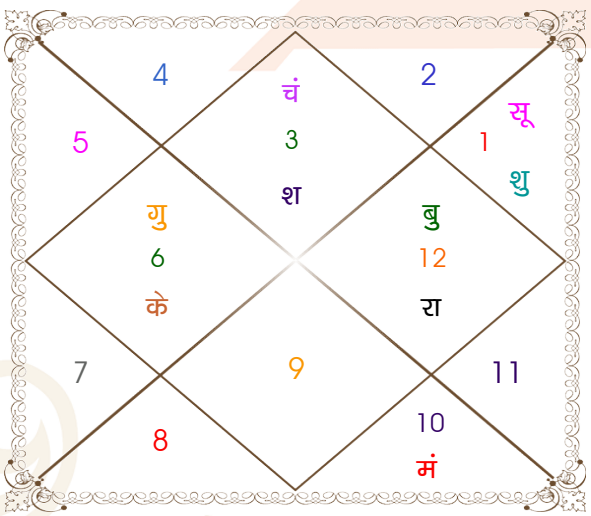

लग्न-चलित

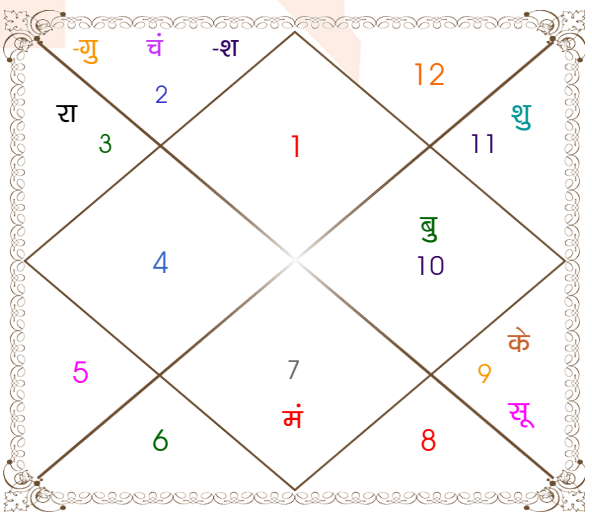

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ैंददप का वर्ग मार्जार है तथा Vindhy का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारैंददप और Vindhy का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ैंददप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ैंददप कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Vindhy मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Vindhy कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैदप तथा Vindhy में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।